As an MP, I am obliged to perform such duties consistent with individual liberty and public interest.

(ii) NEED TO INCREASE THE AMOUNT OF SUBSIDY FOR BIO-GAS (GOBAR GAS) PLANTS IN THE RURAL AREAS.

प्रो० निर्मला कुमारी शक्तावत : (चित्तौड़गढ़) : सभापति महोदय, ऊर्जा स्रोत के रूप में बायोगैस (गोबर गैस) एक सफल प्रयोग है जो भारत में अभी इस स्थिति में नहीं पहुंचा है जैसा पहुंचना चाहिये । बायोगैस को गांवों में अधिक लोकप्रिय बनाने के लिये केन्द्रीय सरकार तथा राज्य सरकार मिल कर अनुदान (सबसिडी) प्रदान करें । अभी हाल ही में दी जाने वाली अनुदान की राशि कम है इसे बढ़ाया जाये । चीन में यह प्रयोग काफी सफल रहा है । अमेरिका फ्रांस तथा जापान में तो गली, सड़कों पर फेंके जाने वाले कूड़ा करकट, खेती के साथ उत्पन्न बेकार पौधे जंगली घास आदि को जला कर भी गैस बनाई जाती है । इसका प्रयोग भारत में भी किया जाना चाहिए ।

भारत में जो ग्रामों का देश है, ग्रामीण जीवन की काया पलटने में बायोगैस एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है । इसको लोकप्रिय बनाने के लिये अनुदान की राशि बढ़ाने की तरफ सरकार अवश्य ध्यान दे तथा निरन्तर इस क्षेत्र में किये जाने वाले अनुसन्धानों के प्रोत्साहन हेतु सरकार विशेष ध्यान दें ।

(iii) INEFFECTIVENESS OF RINDERPEST VACCINE PRODUCED AT HYDERABAD.

SHRI P. RAJAGOPAL NAIDU (Chittoor): Recently the rinderpest devastated sheep and milch animals in many areas in Andhra Pradesh. In spite of the efforts made by the veterinary department, they are not able to arrest it. As a result of this disease, valuable milch animals and sheep died causing a great loss to the owners.

It is said that there is defect in the vaccine produced at Hyderabad. It is contended in some sources that there is no defect in the vaccine but it may be in the methods adopted by the extension staff in importing the vaccine. Whatever may be the reason, the result is a great loss to the agriculturists.

It is learnt that the authorities of the LAUM near Guntur in Andhra Pradesh, where there is coordinated project of cattle breeding farm, are not buying vaccine from Hyderabad as they thought that the vaccine produced there is not effective but they are buying it from Madras.

These things create a doubt in the mind of any one about the efficacy of the rinderpest vaccine produced at Hyderabad. It is better if it is found out where the defect lies so that such losses may not occur in future.

(iv) ALLEGED ATTACK ON THE EDITOR OF *'Jan Varta'*

श्री हरिकेश बहादुर : (गोरखपुर) : सभापति, महोदय, देश के विभिन्न भागों में पत्रकारों पर हो रहे हमले की घटनायें अत्यन्त चिंता का विषय बनती जा रही हैं । अभी कुछ दिन पहले उड़ीसा और उत्तर प्रदेश तथा अन्य प्रदेशों में ऐसी घटनायें हुई हैं, किन्तु **जनवार्ता** के सम्पादक पर सुनियोजित हमला अत्यन्त गंभीर घटना है । यदि इस प्रकार की घटनाओं की नहीं रोका गया, तो प्रैस की आजादी खतरे में पड़ जायेगी और भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में निर्भीक पत्रकारिता के वातावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, जिससे लोकतंत्र की मौलिक मान्यतायें प्रभावित होंगी । परिणामस्वरूप लोकतंत्र के लिए खतरा उत्पन्न हो जायेगा । अत: भारत सरकार को शीघ्र इस दिशा में प्रभावी कदम उठाना चाहिए और सम्बन्धित प्रदेश सरकारों को स्पष्ट निर्देश

[श्री हरिकेश बहादुर]

देने चाहिए कि अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाये ।

(v) NEED TO IMPOSE EXCISE DUTY ON TABACCO INSTEAD OF BEEDIS

SHRI AJIT KUMAR SAHA (Vishnupur): Sir, I would like to make the following statement under Rule 377 and ask the Finance Ministry to make a statement thereon:—

Since the introduction of Central Excise Duty on produced Beedies per thousand, cooperative Beedi producing societies are facing an unequal competition from individual Beedi producers who evade Central Excise duty by locating their main production units at remote villages and beyond the reach of Excise Inspectors. Major portion of individual Beedi manufacturers production is thus left beyond the excise duty resulting into advantage vis-a-vis produce of cooperative Beedi producing societies.

This evasion of excise duty can only be checked if the levy is imposed on tobacco and not on produce Beedies which will also ensure healthy competition between cooperative Beedi societies and individual producers.

I demand, therefore, that the levy imposed on produced Beedies may be cancelled and the impost may be made on tobacco so that healthy competition between cooperative Beedi Societies and individual Beedi producers is ensured.

(vi) ALLEGED CARELESSNESS BY DOCTORS IN SAROJINI NAIDU HOSPITAL, AGRA.

श्री राम बिलास पासवान (हाजीपुर) : देश में डाक्टरों द्वारा मरीजों के साथ कितनी लापरवाही बरती जा रही है और डाक्टरों की लापरवाही के कारण मरीजों की क्या दुर्गति होती है, उसका एक उदाहरण सदन के समक्ष रखना चाहता हूं ।

14 सितम्बर, 1980 को आगरा के सरोजिनी नाइडू मेडिकल कालेज में सर्जरी विभाग के अध्यक्ष द्वारा सहेब सिंह यादव नाम के एक गरीब व्यक्ति का पेट का आपरेशन किया गया । श्री यादव इटावा जिले के पिलखर ग्राम का निवासी है ।

सभापति महोदय: आपने "कालेज" कहा है या "हास्पिटल" ?

श्री राम बिलास पासवान : वह मेडिकल कालेज और हास्पिटल है ।—यह फ़ोटो खींचा है । इसमें बहुत बड़ी कैंची दिखाई देती है ।

सभापति महोदय : क्वेस्चन आवर में देखा था ।

श्री जार्ज फर्नाण्डीस (मुजफ्फरपुर) : इसको सभा-पटल पर रखा जाये ।

सभापति महोदय : नहीं, नहीं ।

श्री राम बिलास पासवान : मैं पढ़ने के बाद रख * देता हूं ।

पिछले माह जब उसके पेट में भीषण दर्द होने लगा, तो वह पुनः उस अस्पताल में दिखाने गया । वहां डाक्टरों ने कहा कि पहले बाहर से एक्स-रे करवा लो । उसके बाद उसे प्राईवेट एक्स-रे वालों के यहां ले जाया गया । जब उसका एक्स-रे करवाया गया, तो पता चला कि उसके पेट में छः इंच लम्बी कैंची छोड़ दी गई है ।

इस मामले के सम्बन्ध में आगरा मेडिकल कालेज के छात्र संघ के अध्यक्ष द्वारा पिछले माह मुख्य मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री (उत्तर प्रदेश) को भी ज्ञापन दिया गया, लेकिन अभी तक किसी तरह कार्रवाई नहीं की गई है । मरीज के पेट में अभी तक कैंची ज्यों की त्यों है और मरीज मत्यु से जूझ रहा है ।

*The speaker not having subsequently accorded the necessary permission, the document was not treated as laid on the Table